501 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 42
एकादश एवं द्वादश अंक
जून - जुलाई 2020

इस अंक में...

7 असफलता रहित जोखिम का अर्थ है जोखिम न उठाना
8 राष्ट्रीय घटनाक्रम
13 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
18 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
35 भारत में जन्म दर, मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर के आँकड़े ('सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' की अद्यतन रिपोर्ट)
38 नवीनतम सामान्य ज्ञान
48 खेलकूद
51 युवा प्रतिभाएँ
54 **कॅरियर लेख**—COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परीक्षा तैयारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इसे एक बेहतर अवसर मानें
57 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व
60 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएँ
64 स्मरणीय तथ्य
67 विश्व परिदृश्य

फोकस

71 (1) आत्मनिर्भर भारत अभियान
77 (2) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना
79 (3) कोविड-19 : एक समग्रावलोकन 21वीं सदी की जैविक महामारी

लेख

83 **समसामयिक लेख**—कोविड-19 वैश्विक महामारी के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक प्रभाव
86 **राजनीतिक लेख**—साल-दर-साल चुनावों में बढ़ता धन, बल
88 **सामरिक लेख**—जैविक-रासायनिक युद्ध एवं मानव जीवन के खतरे
90 **पत्रकारिता लेख**—प्रिंट मीडिया से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शब्दावली
92 **भाषायी लेख**—विश्वभर में हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यता
93 **शैक्षिक लेख**—वैदिक शिक्षा व आधुनिक शिक्षा में अन्तर और समानता
96 **कृषि सम्बन्धी लेख**—जैवपीड़कनाशी और कृषि उत्पादन
100 **जलवायु परिवर्तन लेख**—हिंदू-कुश हिमालय क्षेत्र में बढ़ती जल असुरक्षा
102 सार संग्रह
105 **वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन**—(i) उत्तर प्रदेश डिग्री कॉलेज असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2019
107 (ii) यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
111 (iii) नवोदय विद्यालय समिति पी.जी.टी. भर्ती परीक्षा, 2019
116 (iv) आगामी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
130 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
131 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
136 भारतीय अर्थव्यवस्था-2020 के लिए विशेष

बहुविकल्पीय प्रश्न समाजशास्त्र

139 **ऐच्छिक विषय—(i) समाजशास्त्र**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
146 **(ii) हिन्दी**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
158 **तर्कशक्ति**—आर.बी.आई ग्रेड-बी अधिकारी परीक्षा, 2019
165 **संख्यात्मक अभियोग्यता**—आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित आर.आर.बी. ऑफीसर (स्केल-1) (प्रा.) परीक्षा, 2019
170 अपना ज्ञान बढ़ाइए
171 **प्रथम पुरस्कृत समीक्षा**—भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती दोषपूर्ण नीतियों का परिणाम है
174 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—आर्थिक मंदी और बेरोजगारी: 2020 के दशक के प्रारम्भ में भारत
176 निबंध प्रतियोगिता क्रमांक-490 का परिणाम
178 राज्य समाचार

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

असफलता रहित जोखिम का अर्थ है जोखिम न उठाना

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"Only those who dare to fall greatly can ever achieve greatly."
– Robert F. Kennedy

सदियों से आदमी खोजी रहा है. उसने प्रत्येक प्रकार के सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक-धार्मिक-सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक परिवेश में वातावरण में खुद को समायोजित (Adjust) किया भी और साथ-ही-साथ हर वातावरण को अपने अनुकूल बनाने का प्रयास भी किया. मनुष्य इन समस्त वातावरणों को अपने अनुकूल बनाने अथवा इनके अनुसार स्वयं को ढाल लेने का प्रयास करता रहा है. इसी प्रक्रिया से जंगलों व गुफाओं में रहने वाला आदमी शानदार महलों में, बंगलों में, एयर कंडीशन्ड गाड़ियों में पहुँच पाया. उसने सुविधाएँ खोजीं, हर सुविधा के लिए उसे जोखिम (Risk) तो उठाना ही पड़ा. जोखिम उठाने को तत्पर लोगों ने ही दुनिया को ज्ञान-विज्ञान की अनेकानेक शाखाओं से परिचय कराया. समुद्र की अतुल गहराइयों को नापा, हिमालय के शिखरों को लांघा, नदी-सरोवरों को जोड़ा, धरती के भीतर से सभी प्रकार की धातुओं—लोहा, सोना, चांदी, ताँबा आदि खोजीं. धूल छानी, पत्थर तोड़े, चट्टानें हटाईं और ब्रिज बनाए, ये सब काम बिना जोखिम लिए नहीं हो सकते थे. यह एक तथ्यपूर्ण सत्य है कि—

जोखिम उठाए बिना लाभ प्राप्त नहीं होता.

आर्थिक विचारक एफ. डब्ल्यू. हाउले का कहना है कि गत्यात्मक उत्पादन में जिन लोगों में जोखिम उठाने की दक्षता है वे ही प्रतिफल (लाभ) का ठोस दावा कर सकते हैं.

बिना जोखिम जायदाद नहीं मिलती. बिना जान की बाजी लगाए जानकारियों के खजाने नहीं खुलते. जोखिम उठाने को वे लोग तैयार होते हैं जिन्हें कुछ करने की तमन्ना होती है. कुछ पाने का उदम्य उत्साह व लगन होती है. जिनको आन्तरिक प्रेरणाएँ चलाती हैं, जो मजबूरियों व सीमाओं के शिकंजे में कैद होकर जीना नहीं चाहते. जो अपनी सीमाओं का विस्तार चाहते हैं. अपने मस्तक पर विजय का तिलक लगाना चाहते हैं. जिन्हें प्रेम है ज्ञान से, जिन्हें प्रेम है प्राणों के विस्तार से. जोखिम उठाने वालें लोग अपनी कायरता की तिलांजली क्षण में देते हैं. उनका कथन होता है कि—

Do before die.

मरना तो एक दिन सबको है, किन्तु हमें कुछ करके मरना है. अपने जीवन को अधिकतम उपयोगी बनाना है. अपनी योग्यताओं को दक्ष बनाना है, उन्हें खिलाना है. अपने सपनों को सच कर दिखाना है. इस तरह की सोच, संस्कार व प्रेरणाएँ आदमी को जोखिम लेने में तत्पर बना देती हैं.

●●●